

शोध मंथन

हिन्दी जर्नल (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थ, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरुष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरुपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादक:

केप्टन0 डॉ0 अन्जुला राजवंशी,
एसो0 प्रोफे0, आर0 जी0 पीजी कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति :

- डॉ0 अर्पणा वत्स, असि0 प्रोफे0, इतिहास विभाग, आर0 जी0 पीजी कॉलिज, मेरठ
डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
डॉ0 सुशीला शक्तावत, एसो0 प्रोफे0, इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रोफे0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना
डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर
डॉ0 अनामिका, असि0 प्रोफे0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी
डॉ0 गौरी मानिक मानसा, असि0 प्रोफे0, वी0 एस0 क0 विश्वविद्यालय, बालारी
डॉ0 साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

Managing Editor : Mithal K.

- शोध मंथन त्रै-मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई-मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by Mithal K., Journal Anu Books, Meerut
Printed by D.K. Fine Art Printers Pvt. Ltd., New Delhi

Subscription

India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Foreign	\$60.00	\$ 250.00 वार्षिक

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. 8 No. 3

Sept. 2017

UGC Approved List No. 40908

अनुक्रमणिका

- | | | |
|----|---|----|
| 1. | घरेलू हिंसा का परिवार वयवस्था सिद्धान्त और उसका भारतीय परिवार व्यवस्था के सन्दर्भ में विमर्श
डॉ० जय शंकर प्रसाद पाण्डेय | 1 |
| 2. | गांधी जी के प्रमुख आंदोलनों में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका
डॉ० (कु०) पंकज शर्मा | 7 |
| 3. | यौन नैतिकता के उभरते प्रतिमान: एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण
डॉ० अपर्णा जोशी, डॉ० गिरीश चन्द्र पाण्डेय | 13 |
| 4. | नागरिक पुलिस विभाग एवं पी.ए.सी. में कार्यरत कर्मचारियों के मृत्यु भय का तुलनात्मक अध्ययन
डॉ० पूजा खन्ना, डॉ० सीमा गुप्ता | 18 |
| 5. | उच्च शिक्षा में महिलाओं की स्थिति (उत्तरप्रदेश के विशेष सन्दर्भ में)
डॉ० बृजेन्द्र सिंह गुर्जर, डॉ० दर्शी चतुर्वेदी | 24 |
| 6. | भारतीय कैलेंडर आर्ट में भारतमाता की महिमा का गुणगान
डॉ० कविता सिंह | 30 |
| 7. | महाकवि कालिदास के शैक्षिक विचारों का विवेचनात्मक मूल्यांकन
डॉ० गीता शर्मा | 37 |
| 8. | माघ काव्य में नीतिगत सूक्तियाँ
डॉ० नलिनी श्रीवास्तव | 44 |
| 9. | मन्नू भण्डारी तथा राजेन्द्र यादव के उपन्यासों में साहित्य और परिकल्पना का अध्ययन
डॉ० राजकुमार | 54 |

10.	मानसिक प्रदूषण को दूर करने में योग की भूमिका—एक अध्ययन बीना	62
11.	संत कवयित्री सबचन दासी डॉ० शम्पा चौधरी	69
12.	ग्रामीण जीवन में जनसंख्या का प्रभाव दीपक कुमार	77
13.	स्त्री की संवेदना से चिंतित समकालीन कविता डॉ० श्रवण कुमार	84
14.	वर्तमान भारतीय परिवेश में महिला सशक्तिकरण : एक चिंतन मनीष कुमार सिंह	92
15.	मीडिया कल, आज और कल डॉ० महावीर सिंह, डॉ० प्रशान्त कुमार, निशा सिरौही	97
16.	“आतंकवाद वैश्विक संकट, चुनौती एवं समाधान” कल्लन सिंह मीना	107
17.	मानव अधिकार एवं बदलता सामाजिक परिदृश्य (वैश्वीकरण एवं मानव अधिकार) डॉ० बी०एल० मैनावत	116
18.	नारी की सामाजिक स्थिति डॉ० साहब सिंह	121
19.	लोकतांत्रिक मूल्य और महात्मा गाँधी डॉ० नीलिमा सिंह	147
20.	डॉ० सन्हैयालाल ओझा के उपन्यासों का मूल्यपरक चिन्तन डॉ० मीरा अग्रवाल	153
21.	कार्यरत महिलाओं के पारिवारिक समायोजना का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन रेनू पवार	157
22.	भारत—चीन सम्बन्ध : डोकलाम विवाद के सन्दर्भ में डॉ० नीलिमा सिंह	164
23.	बनारस की मृणकला, परम्परा एवं स्थिति डॉ० रतन कुमार	171